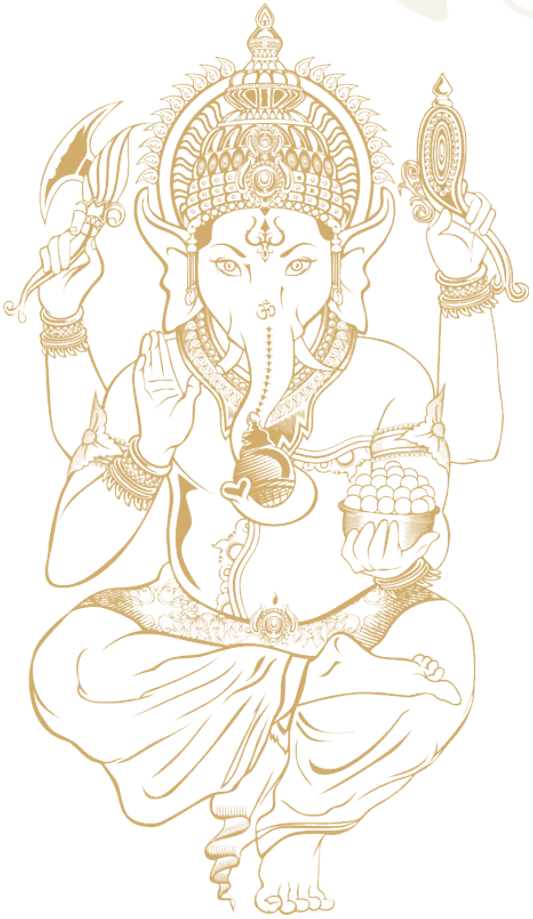

Ankur

17 Jan 1996

03:40 PM

Roorkee

Model: web-freekundliweb

Order No: 121765602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/01/1996**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:40:00 घंटे**
इष्ट	21:02:43 घटी
स्थान	**Roorkee**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:52:00 उत्तर
रेखांश	77:53:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:21:32 घंटे
वेलान्तर	-00:09:51 घंटे
साम्पातिक काल	23:06:02 घंटे
सूर्योदय	07:14:54 घंटे
सूर्यास्त	17:42:00 घंटे
दिनमान	10:27:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:46:15 मकर
लग्न के अंश	07:02:36 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वृद्धि
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:02:36	329:35:31	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			मक	02:46:15	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	18:46:58	14:44:30	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	नीच राशि
मंगल		अ	मक	13:14:07	00:47:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध	व	अ	मक	06:10:03	01:14:18	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु			धनु	09:20:35	00:13:09	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	08:55:11	01:13:01	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			कुंभ	26:52:53	00:05:20	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		कन्या	27:37:32	00:07:29	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	27:37:32	00:07:29	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	06:29:47	00:03:32	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:29:35	00:02:17	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	08:38:23	00:01:36	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	21:32:20	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:14

लग्न-चलित

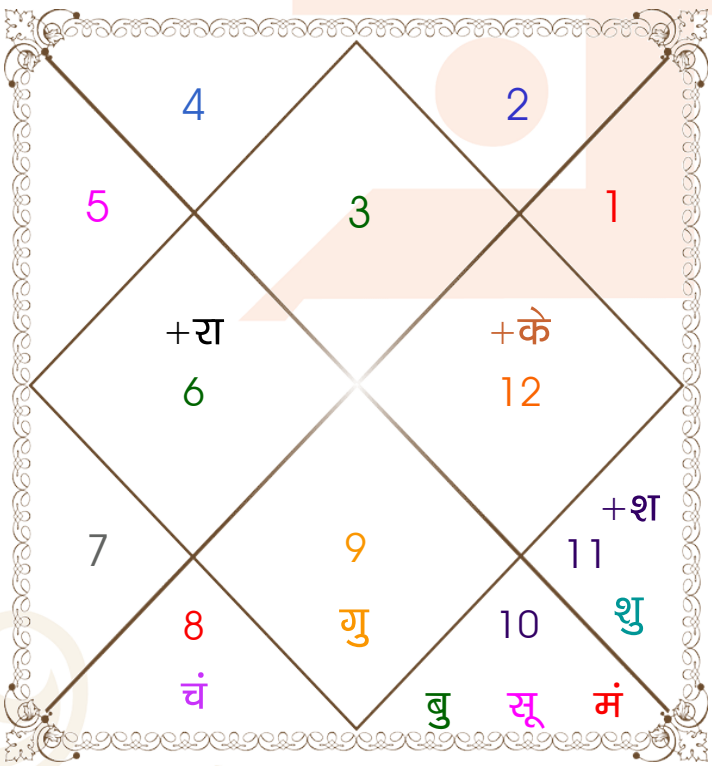

चन्द्र कुंडली

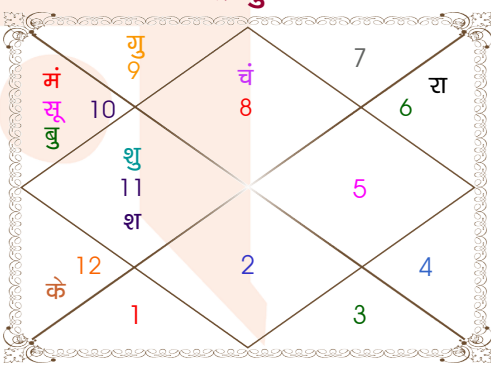

नवमांश कुंडली

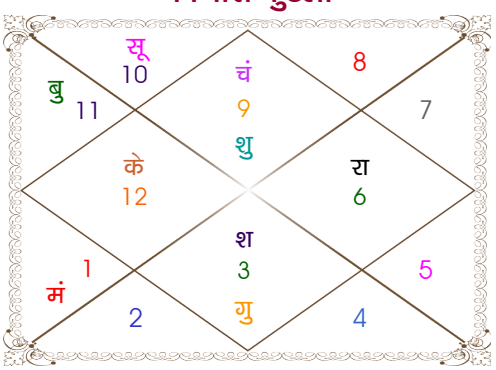

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 3 मास 18 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
17/01/1996		07/05/2010		07/05/2017		07/05/2037		07/05/2043	
07/05/2010		07/05/2017		07/05/2037		07/05/2043		07/05/2053	
	17/01/1996	केतु	03/10/2010	शुक्र	05/09/2020	सूर्य	24/08/2037	चंद्र	07/03/2044
केतु	29/09/1996	शुक्र	03/12/2011	सूर्य	05/09/2021	चंद्र	23/02/2038	मंगल	06/10/2044
शुक्र	31/07/1999	सूर्य	09/04/2012	चंद्र	07/05/2023	मंगल	01/07/2038	राहु	06/04/2046
सूर्य	06/06/2000	चंद्र	08/11/2012	मंगल	06/07/2024	राहु	25/05/2039	गुरु	06/08/2047
चंद्र	05/11/2001	मंगल	06/04/2013	राहु	07/07/2027	गुरु	13/03/2040	शनि	07/03/2049
मंगल	02/11/2002	राहु	25/04/2014	गुरु	07/03/2030	शनि	23/02/2041	बुध	06/08/2050
राहु	22/05/2005	गुरु	01/04/2015	शनि	07/05/2033	बुध	30/12/2041	केतु	07/03/2051
गुरु	28/08/2007	शनि	09/05/2016	बुध	07/03/2036	केतु	07/05/2042	शुक्र	05/11/2052
शनि	07/05/2010	बुध	07/05/2017	केतु	07/05/2037	शुक्र	07/05/2043	सूर्य	07/05/2053

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/05/2053		06/05/2060		07/05/2078		07/05/2094		08/05/2113	
06/05/2060		07/05/2078		07/05/2094		08/05/2113		00/00/0000	
मंगल	03/10/2053	राहु	18/01/2063	गुरु	24/06/2080	शनि	10/05/2097	बुध	04/10/2115
राहु	21/10/2054	गुरु	12/06/2065	शनि	05/01/2083	बुध	18/01/2100	केतु	18/01/2116
गुरु	27/09/2055	शनि	18/04/2068	बुध	12/04/2085	केतु	27/02/2101		00/00/0000
शनि	05/11/2056	बुध	06/11/2070	केतु	19/03/2086	शुक्र	28/04/2104		00/00/0000
बुध	02/11/2057	केतु	24/11/2071	शुक्र	17/11/2088	सूर्य	10/04/2105		00/00/0000
केतु	31/03/2058	शुक्र	24/11/2074	सूर्य	05/09/2089	चंद्र	10/11/2106		00/00/0000
शुक्र	31/05/2059	सूर्य	18/10/2075	चंद्र	05/01/2091	मंगल	19/12/2107		00/00/0000
सूर्य	06/10/2059	चंद्र	18/04/2077	मंगल	12/12/2091	राहु	25/10/2110		00/00/0000
चंद्र	06/05/2060	मंगल	07/05/2078	राहु	07/05/2094	गुरु	08/05/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 3 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।